(1)

UNIVERSITY OF ALLAHABAD
FACULTY OF ARTS

Phone : 0532-2462433 (Off.)

Professor K.S.Misra
Dean, Faculty of Arts

DFA/50 /17
April 10, 2017

To

Registrar
University of Allahabad
Allahabad

Dear Sir,

Please find enclosed herewith the minutes of the meeting of the Faculty Board of Arts held on 03.04.2017 at 2.00 pm in the office of the Dean, Faculty of Arts for further necessary action.

Thanking you,

Yours sincerely

Misra
10.04.17

(K.S.Misra)

Annexure 3

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र (code – hin501)

'प्राचीन एवं निर्गुण काव्य' (code – hin501)

(नरपति नाल्ह, विद्यापति, कबीर, रैदास एवं जायसी : अध्ययन और आलोचना)

इकाई – १

- आदि कालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियां और पृष्ठभूमि
- रासो-काव्य परंपरा
- भक्तिकालीन कविता की निर्गुण काव्यधारा : पृष्ठभूमि एवं विशेषताएं

इकाई – २

- रासो काव्यधारा : मुख्य प्रवृतियाँ : प्रतिनिधि रचनाएँ: परिचय एवं समालोचनात्मक अध्ययन
- निर्धारित पदों की व्याख्या (20 पद)(पृथ्वीराज रासो (कैमास करानीती प्रसंग); सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह)
- सूफी काव्यधारा और जायसी
- ~~हिन्दी की प्रेमाख्यानक काव्य-परंपरा-और-जायसी ।~~
- जायसी : निर्धारित पाठ की व्याख्या और आलोचना (नागमती सन्देश खंड, मानसरोवर खण्ड-पदमावत)

इकाई – ३

- विद्यापति : परिचय एवं विशेषताएं
- निर्धारित पदों की व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन(20 पद- विद्यापति संचयन- डॉ. लालसा शारद) (पद- 1,2,7,9,11,13,17,19,20,21,23,29,32,33,41,46,47,48,49,75)

इकाई – ४

- निर्गुण काव्यधारा और रैदास की कविता
- रैदास : निर्धारित पदों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन (20 पद- 6,7,9,12,13,14,16,22,23,27,28,35,37,38,39,40,41,43,46,& ~~50की व्याख्या~~) (रैदास की वाणी- सं-योगेन्द्र प्रताप सिंह)

इकाई – ५

- निर्गुण काव्यधारा और कबीर का काव्य

- कबीर की सामाजिक चेतना
- कबीर : दार्शनिक अवधारणाएं
- कबीर : कविता की भाषा
- निर्धारित पदों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन(कबीर वाणी सुधा- (सं.) पारसनाथ तिवारी) (पद- 1,3,4,7,8,9,12,18,23,31,33,34,38,44,47,49,50,59,64)

सहायक पुस्तकें

रासो काव्य विमर्श	: माताप्रसाद गुप्त
वीसलदेव रास	: (सं) माताप्रसाद गुप्त
वीसलदेव रास : एक गवेषणा	: सीताराम शास्त्री
विद्यापति	: शिवप्रसाद सिंह
विद्यापति संचयन-	: डॉ. लालसा यादव
विद्यापति	: आनंदप्रकाश दीक्षित
विद्यापति का काव्य सौन्दर्य	: लालसा यादव
कबीर मीमांसा	: रामचन्द्र तिवारी
कबीर	: हजारी प्रसाद द्विवेदी
अकथ कहानी प्रेम की :कबीर की कविता और उनका समय	: पुरुषोत्तम अग्रवाल
कबीर साखी सुधा	: वासुदेव सिंह
रैदास	: सं० योगेन्द्र प्रताप सिंह
संत रैदास : एक विश्लेषण	: सं० कंवल भारती
जायसी	: विजयदेव नारायण साही
जायसी ग्रन्थावली	: रामचन्द्र शुक्ल
जायसी : एक नई दृष्टि	: रघुवंश

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाएँ (code- 502)

इकाई-01

हिंदी निबंध साहित्य का स्वरूप

- आधुनिक गद्य और निबन्ध
- हिन्दी निबन्ध साहित्य का इतिहास
- निबन्ध के प्रकार
- हिंदी कहानी का विकास ,कहानी क्या है? कहानी: स्वरूप एवं लक्षण .

इकाई-02

- बाबू बालमुकुंद गुप्त के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या

(क) बनाम लार्ड कर्जन (ख) वैसराय का कर्तव्य

- कहानी : शिल्प एवं अंतर्वस्तु , कहानी के तत्व

इकाई-03

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या

(क) श्रद्धा-भक्ति

(ख) कविता क्या है?

- कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन और व्याख्या
  मां (प्रेमचंद), शरणदाता(अज्ञेय), हलयोग (मार्कण्डेय), हत्यारे (अमरकांत)

इकाई-04

- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या

(क) प्रायश्चित की घड़ी

(ख) मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है

कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन और व्याख्या
मोहनदास (उदय प्रकाश), सलाम (ओम प्रकाश वाल्मीकि), श्वेतयोनि (चित्रा मुद्गल)

इकाई-०५

- उपन्यास
१. हिन्दी उपन्यास : विकास परम्परा
२. उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या-
गोदान : प्रेमचंद
फ़ांस : संजीव

सहायक पुस्तकें

आयन वॉट
रालफॉक्स
जार्ज लूकाच
ई० एम० फास्टर्स
परमानंद श्रीवास्तव
राजेन्द्र यादव
नामवर सिंह
देवी शंकर अवस्थी
बटरोही
उपेन्द्रनाथ अश्क
देवेश ठाकुर
सत्य प्रकाश मिश्र सं०
इन्द्रनाथ मदान , सं०
मधुरेश , सं०
विश्वनाथ प्रसाद तिवारी , सं०
रामलाल सिंह
विजय बहादुर सिंह
शिवप्रसाद सिंह
सुरेन्द्र चौधरी
संजय सहाय (सं)

उपन्यास का उदय(अनु)
उपन्यास और लोकजीवन (अनु)
उपन्यास के सिद्धान्त(अनु)
उपन्यास के पहलू(अनु)
उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा
कहानी : शिल्प और संवेदना
कहानी : नई कहानी
नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति
कहानी : रचना-प्रक्रिया और स्वरूप
हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय
मैला आंचल की रचना प्रक्रिया
गोदान
गोदान, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
मैला आंचल
हजारी प्रसाद द्विवेदी
निबन्धकार रामचन्द्र शुक्ल
निबन्धकार हजारी प्रसाद द्विवेदी
शांतिनिकेतन से शिवालिक तक
फणीश्वरनाथ रेणु(मोनोग्राफ)
हंस,नवम्बर,2015 में छपी 'फांस' की समीक्षा

प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र (code – hin503)

भारतीय काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना (code – hin503)

इकाई १

१. विविध सम्प्रदाय: प्रमुख आचार्य और उनके मत
(क)रस (ख) अलंकार (ग) रीति (घ) वक्रोक्ति (ङ) ध्वनि (च)औचित्य

२ नाट्य सिद्धान्त :

नाट्य रचना के तत्व और प्रयोग

- वस्तु, नेता, रस,अभिनय
- रंग-कर्म, सामाजिक और सूत्रधार।

इकाई २

१ संस्कृत काव्यशास्त्र में भाषा विवेचन :

(क) शब्द शक्तियां,
(ख) शब्दार्थ-मीमांसा - अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, स्फोट, ध्वनि,वृत्तियां।

२ छन्द शास्त्र :

(क) छंद की अवधारणा और परिवर्तन क्रम
(ख) हिन्दी छंद शास्त्र का विकास
(ग)छंद के विविध आधार - लय, ताल,तुक।

इकाई ३

१. हिन्दी काव्य शास्त्र :
(क) भक्तिकालीन कवियों के काव्य सिद्धान्त और भक्ति रस
(ख) रीतिकालीन आचार्यों के काव्यसिद्धान्त और मौलिक उद्भावनाएं : आत्मसजगता, पदविन्यास, कलात्मकता।
(विशेष संदर्भ : केशव, देव, चिन्तामणि, भिखारीदास : काव्य लक्षण और कवि-शिक्षा)

इकाई ४

१ हिन्दी आलोचना की रूपरेखा :

(क) आधुनिक हिन्दी आलोचना का आरम्भिक स्वरूप

(ख) रामचन्द्र शुक्ल की स्थिति और उनकी साहित्यालोचना के मानदण्ड - लोकमंगल की भावना, रस की कोटियां, साधारणीकरण।

(ग) शुक्लोत्तर समीक्षा और समीक्षक।

(घ) प्रगतिशील आलोचना।

इकाई ५

१ साहित्यालोचना की समस्याएं :

(क) साहित्य के मूल्यांकन के क्लासिक, रोमांटिक तथा आधुनिक प्रतिमान।

(ख) साहित्य में नैतिकता तथा उद्देश्य की समस्या।

(ग) वस्तु और रूप।

(घ) संरचना एवं पाठ।

सहायक पुस्तकें

गणेश त्रयम्बक देशपाण्डे : साहित्यशास्त्र
कान्तिचंद पांडे : स्वतंत्र कलाशास्त्र (भाग- १)
सुशील कुमार डे : संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास (दो खण्ड, अनु०)
राघवन : शृंगार प्रकाश (अनु०)
बलदेव उपाध्याय : संस्कृत आलोचना
एम०हिरियना : कला अनुभव
राममूर्ति त्रिपाठी : भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज
हजारी प्रसाद द्विवेदी : नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक
डॉ० नगेन्द्र : रस सिद्धान्त
रामचंद्र शुक्ल : रस मीमांसा
योगेंद्र प्रताप सिंह : भारतीय काव्यशास्त्र
योगेंद्र प्रताप सिंह : हिन्दी काव्यशास्त्र के मूलाधार
प्रेमकान्त टण्डन : साधारणीकरण और सौन्दर्यानुभूति
केशवदास : कविप्रिया
भिखारी दास : काव्यनिर्णय
देवदत्त कौशिक : संस्कृत काव्यशास्त्र में व्यावहारिक समीक्षा
अज्ञेय, सं० : समकालीन कविता में छंद
योगेंद्र प्रताप सिंह : हिन्दी वैष्णव भक्ति काव्य में निहित काव्यादर्श एवं काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त।
किशोरीलाल : रीतिकालीन कवियों की मौलिक देन
सत्यप्रकाश मिश्र : कवि-शिक्षा की परंपरा और हिन्दी रीतिसाहित्य
निशा अग्रवाल : सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध
पुत्तूलाल शुक्ल : आधुनिक हिन्दी कविता में छंद योजना

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र (code – hin504)

हिंदी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)(code – hin504)

इकाई- १.

साहित्येतिहास दर्शन :

१. (क) इतिहास क्या है? (ख) साहित्य का इतिहास लेखन - दर्शन, दृष्टि और विचारधारा
२. हिन्दी-साहित्य : अंतरंग व बहिरंग साक्ष्य, उसकी प्रामाणिकता एवं नवीनीकरण।
३. काल-विभाजन के आधार तथा नामकरण की समस्या।

इकाई- २

आदिकाल

१. हिन्दी साहित्य का आरम्भ।
२. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की प्रमुख धाराएं।
३. आदिकालीन हिन्दी साहित्य का सांस्कृतिक, वैचारिक एवं लोकतात्विक आधार।
४. प्रमुख रचनाकार एवं रचनात्मक प्रवृत्तियां।

इकाई- ३

भक्तिकाल

१. भक्ति आंदोलन का उदय : सांस्कृतिक, दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि
२. भक्तिकाल - लोक जागरण एवं सांस्कृतिक समन्वय
३. निर्गुण भक्ति काव्य - संत एवं सूफी काव्य
४. भारतीय लोकजीवन और संत कवियों की परंपरा
५. संत कवियों की निर्गुण भक्ति
६. प्रमुख संत कवियों के संदर्भ में संत मत का सांस्कृतिक और साहित्यिक मूल्यांकन
७. प्रेमाख्यानक काव्य
   (क) भारतीय प्रेमाख्यानक काव्य और उसकी परंपरा
   (ख) निर्गुण-भक्ति और सूफी साधना-पद्धति का अन्तर्सम्बन्ध
   (ग) प्रेमाख्यानक काव्य के प्रमुख कवि और काव्य प्रवृत्तियां

इकाई- ४

८. सगुण भक्ति-काव्य(कृष्णभक्तिकाव्य तथा रामभक्तिकाव्य)
९. कृष्ण भक्तिकाव्य के प्रमुख प्रेरणा स्रोत
१०. अष्टछाप और उसके प्रमुख कवि
११. सम्प्रदाय-मुक्त कृष्ण भक्ति धारा के कवि और काव्य : मीरा और रसखान
१२. कृष्ण-भक्तिकाव्य का सांस्कृतिक और साहित्यिक मूल्यांकन
१३. रामभक्तिधारा : स्रोत और परंपरा
१४. रामभक्ति काव्य-धारा के प्रमुख कवि और काव्य

१५. तुलसीदास और उनका काव्य
१६. रामभक्ति धारा : सांस्कृतिक और साहित्यिक मूल्यांकन

इकाई- ५

रीतिकाल

१. उत्तर-भक्तिकाल और रीतिकाल का अन्तर्सम्बन्ध
२. रीतिकाल का शास्त्रीय आधार और प्रेरक तत्व
३. रीतिकालीन कविता की विविध धाराएं- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त धारा के प्रमुख कवि और काव्य
४. रीतिकालीन साहित्य में स्त्री का बिम्ब
५. लोक जीवन और रीतिकालीन कविता
६. रीतिकाल की अन्य प्रवृत्तियां वीर, नीति, भक्ति और अन्य प्रवृत्तियां
७. रीतिमुक्त एवं स्वच्छंदतावादी काव्यधारा
(क) वैयक्तिकता (ख) सामाजिक यथार्थोन्मुखता (ग) विद्रोहीवृत्ति (घ) भाषिक सजगता
८. रीतिकालीन कविता के मूल्यांकन का नया परिप्रेक्ष्य

सहायक पुस्तकें

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिंदी साहित्य का अतीत (खण्ड २) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिंदी साहित्य का इतिहास(सं०) : नगेन्द्र
हिंदी साहित्य का समग्र इतिहास : रामकिशोर शर्मा
भक्ति साहित्य का इतिहास : प्रेमशंकर
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य : कुंवरपाल सिंह
उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय : पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
ह्वाट इज हिस्ट्री : ई० एच० कार
ए टेक्टबुक आफ हिस्टिरियोग्राफी : ई० श्रीधरन
हिस्ट्री एण्ड हिस्टोरियन्स: ए हिस्टिरियोग्राफिकल इंट्रोडक्शन : मार्क टी० गिल्डर्ईस
साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
साहित्येतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य की ऐतिहासिक प्रकिया : हरिश्चंद्र मिश्र

एम०ए० द्वितीय

छठा प्रश्नपत्र (code- hin 505)

सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकाव्य (code- hin 505)

(सूरदास, मीराबाई, तुलसीदास, केशवदास, बिहारी, घनानंद)

इकाई-१

सूरदास : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन

- कृष्ण काव्य की परंपरा
- हिंदी कृष्ण काव्य की सामान्य प्रकृति एवं प्रवृत्तियां
- कृष्णकाव्य परंपरा और सूरदास
- रीतिकालीन काव्य : परिवेश एवं पृष्ठभूमि
- रीतिकालीन कविता का मुख्य प्रतिपाद्य
- रीतिकालीन कविता- शुद्ध साहित्य की खोज

इकाई-२

- सूरदास और उनका काव्य जीवनी, अनुभूति और अभिव्यक्ति विधान
- निर्धारित पाठ्य पुस्तक: 'भ्रमरगीत सार' - (संपा०) रामचन्द्र शुक्ल
  पद संख्या - 11,13,19,20,29,50,66,70,82,83,104,106,114,128,144,146,163=20 छंद।
- केशवदास : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन
- रीति परंपरा : प्रवर्तन और विकास
- केशव काव्य की मुख्य विशेषताएं
- निर्धारित पुस्तक : रामचंद्रिका (प्रकाश ९ एवं १०)

इकाई-३

- मीराबाई : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन
- (क) गीतिकाव्यपरंपरा और भक्तिकालीन हिंदी कविता
- (ख) कृष्ण काव्य की गीतिभावना और उसकी विशेषताएं
- (ग) मीरा और उनका काव्य : जीवनी, अनुभूति और अभिव्यक्ति विधान
- निर्धारित पाठ्य पुस्तक : 'मीरा की पदावली' (खण्ड-२) - (संपा०) परशुराम चतुर्वेदी
- पद संख्या - 3,5,7,9,10,14,18,19,24,31,34,36,38,44,46,48,51,68,74=20 पद।
- बिहारी : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन : शृंगार का वैभव

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : बिहारी सतसई - (संपा०) जगन्नाथ दास रत्नाकर- (आरम्भिक 60 दोहे)

इकाई- ४

तुलसीदास : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन

(क) रामकथा , राम काव्य परंपरा

(ख) राम काव्य में प्रबंध और गीति

(ग) तुलसीदास और उनका काव्य : जीवनी, अनुभूति और अभिव्यक्ति विधान

(घ) रागकाव्य और कृष्णकाव्य के रचना विधान का तुलनात्मक अध्ययन

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : उत्तरकाण्ड (रामचरित मानस) सम्पादित- रामराज वर्णन, शिव पार्वती संवाद, कलि महिमा का वर्णन, ज्ञान भक्ति निरूपण) आरम्भ के 10 छंद (कवित्त)

इकाई-५

घनानंद व्याख्या और आलोचना : रीति स्वच्छंद काव्य धारा और घनानंद

(1,2,3,5,7,16,17,20,29,32,50,53,57,59,63,66,70,82,83,87-20)

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें : घनानंद कवित्त - - (संपा०) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

सहायक पुस्तकें

भ्रमरगीत सार की भूमिका- (त्रिवेणी)	:	रामचन्द्र शुक्ल
सूरदास	:	ब्रजेश्वर वर्मा
तुलसीदास	:	माताप्रसाद गुप्त
मीरा की भक्ति और उनकी काव्यसाधना का अनुशीलन	:	भगवान दास तिवारी
मीरा का काव्य	:	विश्वनाथ त्रिपाठी
बिहारी की वाग्विभूति	:	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
स्वच्छन्द काव्यधारा और घनानंद	:	मनोहर लाल गौड़
केशव की काव्यकला	:	कृष्णकुमार शुक्ल
केशव का काव्य	:	विजयपाल सिंह

एम०ए० द्वितीय, सेमेस्टर

छठां प्रश्नपत्र

नाटक, रंगमंच एवं अन्य गद्य विधाएं (code 506)

इकाई-१

- नाटक : हिंदी नाटक का इतिहास और विभिन्न शैलियां
- नाटक : पाश्चात्य एवं भारतीय अवधारणा
- आधुनिक नाटक और उस पर पश्चिम का प्रभाव,
- जयशंकर प्रसाद की नाट्य दृष्टि और ध्रुवस्वामिनी
- हिंदी में जीवनी लेखन की परंपरा और आवारा मसीहा (विष्णु प्रभाकर)

इकाई-२

- नाटक और रंगमंच - परस्पर पूरकता(रंगमंच नाटक के अनुसार या नाटक रंगमंच के आधार पर)
- मोहन राकेश के नाटक - 'आषाढ़ का एक दिन' का समीक्षात्मक मूल्यांकन।
- अज्ञेय के यात्रा वृत्तांत 'अरे यायावर रहेगा याद' का समीक्षात्मक मूल्यांकन

इकाई-३

- आत्मकथा लेखन की परंपरा
- बच्चन की आत्मकथा- 'क्या भूलूं क्या याद करूं' का समीक्षात्मक मूल्यांकन
- अंधायुग - समकालीन समय की व्यथा-कथा-मिथक/इतिहास के माध्यम से

इकाई-४

- नाटक तथा एकांकी में अंतर
- एकांकी के तत्व : आलोचनात्मक मूल्यांकन एवं व्याख्या
- निर्धारित रचनाओं का मूल्यांकन (औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा)

इकाई-५

- असंगत नाटक : अभिप्राय एवं स्वरुप
- निर्धारित रचनाओं का मूल्यांकन

(क) ऊसर : भुवनेश्वर

(ख) अपना-अपना जूता : लक्ष्मीकांत वर्मा

सहायक पुस्तकें

बच्चन सिंह	: हिंदी नाटक
दशरथ ओझा	: हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
गोविन्द चातक	: प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना
गिरीश रस्तोगी	: मोहन राकेश और उनके नाटक
रामकुमार वर्मा	: एकांकी कला
सिद्धनाथ प्रसाद	: प्रसाद के नाटक
हरिमोहन	: साहित्यिक विधाएं: पुनर्विचार
सविता सक्सेना	: आवारा मसीहा : जीवनी के नये आयाम
जगन्नाथ चौधरी	: आवारा मसीहा : सृजन और मूल्यांकन
कमलेश सिंह	: हिंदी आत्मकथा : स्वरूप एवं साहित्य
अज्ञेय	: स्मृति लेखा
रामस्वरूप चतुर्वेदी	: अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या

95 8

एम०ए० द्वितीय सेमेस्टर

आठवां प्रश्न पत्र (code- hin 507)

'पाश्चात्य समीक्षा सिद्धान्त' (code- hin 507)

इकाई १

१. आलोचना तथा आलोचक, प्रकृति और उद्देश्य, सर्जनात्मक साहित्य में उसका स्थान
२. पाश्चात्य साहित्यालोचन के इतिहास की रूपरेखा

इकाई २

३. यूनानी काव्यशास्त्र और उसमें प्लेटो एवं अरस्तू की स्थिति और उनके सिद्धान्त: विरेचन, अनुकरण, ट्रैजिडी तथा लिरिक महाकाव्य
४. रोमीय एवं मध्ययुगीन काव्यशास्त्र

इकाई ३

पुनर्जागरण एवं नवशास्त्रवादी युग - शाश्वत एवं परिवर्तनीय प्रतिमानों की मांग, निर्णयात्मक आलोचना की प्रगति।
स्वच्छंदतावादी युग के प्रतिमान, दर्शन तथा पृष्ठभूमि, कॉलरिज एवं वर्ड्सवर्थ विवाद, जर्मनी तथा इंग्लैण्ड में इस आलोचना की स्थिति।

इकाई ४

क्रोचे की सौन्दर्यदृष्टि एवं आलोचना, अभिव्यंजनावाद।
आधुनिक युग में आलोचना की स्थिति तथा नई समीक्षा - टी०एस० इलियट, रैंसम तथा रिचर्ड्स का योगदान।

इकाई ५

विशिष्ट समकालीन आलोचक तथा उनके सिद्धान्त- रोलाबार्थ, देरिदा- संरचना, पाठ और विच्छेदन।

सहायक पुस्तकें

लीलाधर गुप्त : पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धान्त (अनु०)
रेनेवेलेक : साहित्य सिद्धान्त (अनु०)
शम्भूनाथ झा : रिचर्ड्स के आलोचना सिद्धान्त
रामदरश मिश्र : हिंदी समीक्षा: स्वरूप और संदर्भ
अरस्तू : पोयटिक्स (सं० डॉ नगेन्द्र)
प्रभा खेतान : शब्दों का मसीहा- सार्त्र
मार्क्स एंगेल्स : साहित्य के बारे में (प्रगति प्रकाशन)
सुधीश पचौरी : देरिदा का विच्छेदन सिद्धान्त और साहित्य

इलियट	दि यूज ऑव पोयट्री एण्ड यूज ऑव क्रिटिसिज्म
जड़ाऊलाल मेहता	हाइडेगर
क्रोचे	एस्थेटिक्स
शिवमूर्ति पण्डे	टी०एस० इलियट के आलोचना सिद्धान्त
राबर्ट पेनवारेन एवं क्लींथ बुक्स	अण्डरस्टैंडिंग पोयट्री
तारकनाथ बाली	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
सावित्री सिन्हा (सं०)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा
गोपीचंद नारंग	उत्तर संरचनावाद, संरचनावाद एवं प्राच्यवाद

नौवां प्रश्न पत्र [illegible]

'हिंदी साहित्य का इतिहास' (आधु[illegible] काल, [illegible])

आधुनिक काल

इकाई- १.

१. 'हिंदी जाति' की अवधारणा का विकास, आधुनिकता का अर्थ, मध्ययुगीनता तथा आधुनिकता का अन्तर
२. भारतीय नवजागरण और हिंदी नवजागरण
३. आधुनिक काल, गद्यकाल, आधुनिक काल की प्रेरक विचारधाराएं
४. आधुनिक काल के उदय की पृष्ठभूमि

इकाई- २

५. आधुनिक हिंदी कविता(१८५० से अद्यतन)
६. खड़ीबोली काव्य का विकास : प्रारम्भिक काल : भारतेन्दु और द्विवेदी युगीन कविता (ब्रज भाषा तथा खड़ीबोली के सन्दर्भ में)
छायावाद : आन्दोलन तथा उसके प्रमुख कवि
[illegible]वादी काव्य
९. प्रयोगवाद और नई कविता
१०. समकालीन हिंदी कविता की विशेषताएं

इकाई- ३

११. हिंदी गद्य का उद्‌भव एवं विकास
१२. गद्य निर्माण प्रक्रिया तथा भारतेन्दु : हिंदी की विविध विधाओं का विकास
१३. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका [illegible]
१४. हिंदी पत्रकारिता का साहित्य के विकास में योगदान

इकाई- ४

१५. हिंदी नाटक और रंगमंच का स्वरूप और विकास
१६. हिंदी आलोचना का आरम्भ और विकास
१७. हिंदी कथा साहित्य के विकास के विविध [illegible]
(क) कहानी विधा का विकास : विभिन्न कहानी आन्दोलनों की संक्षिप्त रूपरेखा
(ख) उपन्यास का विकास तथा सामाजिक यथार्थ से उसका संबंध

इकाई- ५

१८. हिंदी के अन्य गद्य रूपों का [illegible] [illegible], [illegible], [illegible], रेखाचित्र, रिपोर्ताज, [illegible] आदि।

सहायक पुस्तकें

क्रिस्टोफर किंग : वन लैंग्वेज टू स्क्रिप्ट्स
गैक ग्रेकर : हिस्ट्री ऑफ लिट्रेचर
सुमन राजे : हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी गद्य : विकास और विन्यास
रामचन्द्र तिवारी : हिंदी का गद्य साहित्य
लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय : आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका (१७५७-१८५७ ई०)

श्रीकृष्ण लाल : आधुनिक साहित्य (१८५७-१९०० ई०)
रामकिशोर शर्मा : आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (१९००-१९२५ ई०)
बच्चन सिंह : हिंदी साहित्य का समग्र इतिहास

नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य का इतिहास
: हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
: आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां
: छायावाद

प्रेमशंकर	
दूधनाथ सिंह	: प्रसाद का काव्य
	: निराला : आत्महन्ता आस्था
परमानंद श्रीवास्तव (सं०)	: महादेवी
नामवर सिंह	: महादेवी
कुमार विमल	: छायावाद
रमेशचन्द्र शाह	: महादेवी का काव्य सौष्ठव
निर्मला अग्रवाल	: जयशंकर प्रसाद
	: खड़ीबोली काव्य : ऐतिहासिक संदर्भ और मूल्यांकन
शम्भुनाथ	: मिथक और आधुनिक कविता
राम स्वरुप चतुर्वेदी	: आधुनिक कविता यात्रा
डॉ. नागेन्द्र	: साकेत: एक अध्ययन
निर्मला अग्रवाल	: खड़ी बोली काव्य : एतिहासिक सन्दर्भ और मूल्यांकन

पत्रिकाएं

बहुवचन (आरम्भिक अंक)

तृतीय सेमेस्टर

10 वाँ प्रश्न पत्र code: hin 651

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र : कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

(क) कबीर : code: hin 651

Credit : 05

इकाई .१

- मध्यकालीन भक्ति-आन्दोलन और उसमें कबीर का स्थान
- कबीर का जीवन -वृत्त

इकाई .२

- कबीर की रचनाओं की विभिन्न पाठ-परम्पराएं और उनकी प्रामाणिकता.
- कबीर की कृतियों का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई .३

- कबीर के चयनित ६० पद :
  पद-1,2.4.5.6.7.10.11.13.14.15.16.17.18.19.23.25.27.28.29.31.32.34.36.37.39.41.43.50.54.56.61.66.67.68.70.83.87.102.107.108.114.120.124.126.127.128.131.145.161.162.163.167.170.174.178.191.194.199.200= 60 पद ।

साखी

- ➢ सतगुरू महिमा कौ अंग
- ➢ सुमिरन भजन महिमा को अंग
- ➢ पिउ पहिचानबे को अंग

(कबीर ग्रन्थावली - (सं०) डॉ० पारसनाथ तिवारी)

इकाई .४

- कबीर की विचारधारा : दार्शनिक, सामाजिक, धार्मिक, भक्तिपरक, साधनापरक

इकाई .५

एम्.ए.तृतीय सेमेस्टर

9 वां प्रश्न-पत्र code : hin 601

आधुनिक काव्य(द्विवेदी युग से छायावाद तक) Unit : 05

इकाई - १

- आधुनिक हिंदी कविता की पृष्ठभूमि और विकास
- हिंदी काव्य का नया युग- युगीन भावना, चिन्तन, विषय-वस्तु, भाषा, काव्य-रूप, शैली-शिल्प
- आधुनिक युग की रचनात्मक चुनौतियाँ और हिन्दी का आख्यानमूलक काव्य।
- मैथिलीशरण गुप्त की काव्य यात्रा और साकेत
- राम काव्य की परम्परा और साकेत (आलोचनात्मक अध्ययन): राष्ट्रीय चेतना, युगीन आदर्श, नारी भावना और काव्यत्व

इकाई - २

- छायावाद : उदय और विकास
- जयशंकर प्रसाद की काव्य यात्रा और कामायनी
- 'कामायनी' : प्रेरणा, कल्पना, विषय-वस्तु, जीवन-दर्शन, युगीन चिन्तन,
- कामायनी' : काव्य-सौष्ठव, अनुभूति, अभिव्यक्ति, चरित्रांकन, महाकाव्यत्व
- 'कामायनी'(श्रद्धा और इड़ा सर्ग) : व्याख्या और आलोचना

इकाई - ३

- निराला के काव्य विकास की रूपरेखा
- निराला(निर्दिष्ट कविताएं) : व्याख्या और आलोचना : सरोज स्मृति और राम की शक्ति पूजा (राग विराग : (सं०) डॉ० राम विलास शर्मा)

इकाई - ४

- पंत की काव्य यात्रा के विविध आयाम
- पंत (निर्दिष्ट कविताएं) : व्याख्या और आलोचना : प्रथम रश्मि, परिवर्तन, ग्रामश्री, (आधुनिक कवि : पंत , हिंदी साहित्य सम्मेलन- प्रयाग)

इकाई - ५

- छायावादी काव्य की रहस्य भावना और महादेवी वर्मा
- महादेवी के काव्य में स्वाधीन चेतना और गीतिकाव्य
- महादेवी वर्मा (निर्दिष्ट कविताएं) : व्याख्या और आलोचना : यह मंदिर का दीप, शलभ मै शापमय वर हूँ; मई नीर भरी दुखकी बदली; फिर विकल हैं प्राण मेरे; कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो (आधुनिक कवि : महादेवी वर्मा , हिंदी साहित्य सम्मेलन- प्रयाग)

सहायक पुस्तकें

मोहन अवस्थी : आधुनिक काव्य शिल्प

उमाकान्त गोयल : मैथिलीशरण गुप्त

शशि अग्रवाल : मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अन्तर्कथाओं के मुख्य स्रोत

- कबीर का काव्य, उसकी लोकधर्मी परंपरा, भावाभिव्यक्ति की शैली तथा अन्य विशेषताएं
- कबीर के काव्य का कलापक्ष- छंद, अलंकार, उलटबाँसी और उसका अर्थ-संधान
- कबीर की भाषा के विविध रूप : भूलाधार बोली, अभिव्यंजना पक्ष।

सहायक पुस्तकें

रामकुमार वर्मा	: कबीर का रहस्यवाद
परशुराम चतुर्वेदी	: उत्तरी भारत की संतपरंपरा
सरनामसिंह शर्मा	: कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त
गाताबदल जायसवाल	: कबीर की भाषा
नजीर मुहम्मद	: कबीर के काव्य रूप
गोविन्द त्रिगुणायत	: कबीर की विचारधारा
रामचन्द्र तिवारी	: कबीर मीमांसा
जयदेव सिंह (सं०)	: संत कवि कबीर
जयदेव सिंह	: हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर
भवानीदत्त उप्रेती	: संत कवि कबीर
रघुवंश	: कबीर : एक नयी दृष्टि
रामकिशोर शर्मा	: कबीर वाणी : कथ्य और शिल्प

तृतीय सेमेस्टर

10 वाँ प्रश्न पत्र code: hin 652

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र : कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

तुलसीदास : code: hin 652

इकाई- १ तुलसीदास का जीवनवृत्त, प्रामाणिक रचनाएं एवं जीवन दृष्टि

- तुलसीदास के जीवनवृत्त की सामग्री और प्रामाणिकता की समस्या
- तुलसीदास की रचनाओं का अनुशीलन : प्रामाणिकता, तिथिक्रम और पाठ की दृष्टि से
- मध्ययुगीन चिन्ताधारा और तुलसीदास की जीवन-दृष्टि
- तुलसीदास के विचारों की सामाजिक पृष्ठभूमि

इकाई-२ - तुलसीदास की भक्ति और दार्शनिक विचारधारा

- भक्ति-आन्दोलन का उद्भव और विकास
- विविध भक्तिसम्प्रदाय और तुलसी की दासभक्ति
- तुलसीदास के दार्शनिक विचार
- विनयपत्रिका का विशेष अध्ययन और व्याख्या (चयनित २०पद)

इकाई - ३ - रामकाव्य परंपरा एवं तुलसीदास

- रामकथा की आधारभूत सामग्री और उसके ग्रहण का दृष्टिकोण
- तुलसी की मौलिकता
- रामचरितमानस का विशेष अध्ययन (व्याख्या हेतु - अयोध्याकाण्ड, उत्तरकाण्ड) (महाकाव्य की दृष्टि से)

इकाई-४- तुलसीदास का व्यक्तित्व

- तुलसीदास का कवि व्यक्तित्व : सीमाएं एवं विशेषताएं
- तुलसीदास द्वारा प्रयुक्त भाषा के विविध रूप
- तुलसीदास का शिल्पविधान : रस, छंद, अलंकार
- कवितावली का विशेष अध्ययन और व्याख्या (चयनित २०पद)

- कबीर का काव्य, उसकी लोकधर्मी परंपरा, भावाभिव्यक्ति की शैली तथा अन्य विशेषताएं
- कबीर के काव्य का कलापक्ष- छंद, अलंकार, उलटबाँसी और उसका अर्थ-संधान
- कबीर की भाषा के विविध रूप : मूलाधार बोली, अभिव्यंजना पक्ष।

<u>सहायक पुस्तकें</u>

रामकुमार वर्मा	: कबीर का रहस्यवाद
परशुराम चतुर्वेदी	: उत्तरी भारत की संतपरंपरा
सरनामसिंह शर्मा	: कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त
माताबदल जायसवाल	: कबीर की भाषा
नजीर मुहम्मद	: कबीर के काव्य रूप
गोविन्द त्रिगुणायत	: कबीर की विचारधारा
रामचन्द्र तिवारी	: कबीर मीमांसा
जयदेव सिंह (सं०)	: संत कवि कबीर
जयदेव सिंह	: हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर
भवानीदत्त उप्रेती	: संत कवि कबीर
रघुवंश	: कबीर : एक नयी दृष्टि
रामकिशोर शर्मा	: कबीर वाणी : कथ्य और शिल्प

तृतीय सेमेस्टर

10 वाँ प्रश्न पत्र code: hin 652

<u>*(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र : कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)*</u>

<u>तुलसीदास :</u> code: hin 652

<u>इकाई- १</u> तुलसीदास का जीवनवृत्त, प्रामाणिक रचनाएं एवं जीवन दृष्टि

- तुलसीदास के जीवनवृत्त की सामग्री और प्रामाणिकता की समस्या
- तुलसीदास की रचनाओं का अनुशीलन : प्रामाणिकता, तिथिक्रम और पाठ की दृष्टि से
- मध्ययुगीन चिन्ताधारा और तुलसीदास की जीवन-दृष्टि
- तुलसीदास के विचारों की सामाजिक पृष्ठभूमि

<u>इकाई</u>-२ - तुलसीदास की भक्ति और दार्शनिक विचारधारा

- भक्ति-आन्दोलन का उद्‌भव और विकास
- विविध भक्तिसम्प्रदाय और तुलसी की दासभक्ति
- तुलसीदास के दार्शनिक विचार
- विनयपत्रिका का विशेष अध्ययन और व्याख्या (चयनित २०पद)

<u>इकाई</u> - ३ - रामकाव्य परंपरा एवं तुलसीदास

- रामकथा की आधारभूत सामग्री और उसके ग्रहण का दृष्टिकोण
- तुलसी की मौलिकता
- रामचरितमानस का विशेष अध्ययन (व्याख्या हेतु - अयोध्याकाण्ड, उत्तरकाण्ड) (महाकाव्य की दृष्टि से)

इकाई-४- तुलसीदास का व्यक्तित्व

- तुलसीदास का कवि व्यक्तित्व : सीमाएं एवं विशेषताएं
- तुलसीदास द्वारा प्रयुक्त भाषा के विविध रूप
- तुलसीदास का शिल्पविधान : रस, छंद, अलंकार
- कवितावली का विशेष अध्ययन और व्याख्या (चयनित २०पद)

इकाई-५ - तुलसीदास की अन्य कृतियों का [illegible]
तुलसीदास की [illegible] कल्पना और [illegible]
तुलसीदास का सौन्दर्यबोध - निर्धारित रचनाओं के संदर्भ में
महाकाव्यकार तुलसीदास
[illegible] काव्य धारा में तुलसीदास का योगदान
तुलसीदास द्वारा प्रयुक्त विविध काव्यरूप एवं शैली

[illegible] शुक्ल	[illegible]
[illegible] गुप्त	[illegible]
विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	: तुलसीदास
कामिल बुल्के	: तुलसी की साधना
[illegible] दीक्षित	: [illegible]
[illegible] मेघ	: तुलसीदास और उनका युग
[illegible] त्रिपाठी	: तुलसीदास : आधुनिक वातायन से
	[illegible] तुलसीदास
~~[illegible]~~	[illegible] संदर्भ में
उदयभानु सिंह	: मानस का रचनाशिल्प का विश्लेषण
विष्णुकान्त शास्त्री	: तुलसी दर्शन मीमांसा
नगेन्द्र (सं०)	: तुलसी के हिय हेरि
	: तुलसीदास: हिज माइण्ड एण्ड आर्ट

तृतीय सेमेस्टर

10 वाँ प्रश्न पत्र code: hin 653

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र [illegible] कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

[illegible] (code: 653)

इकाई - १

- प्रसाद का जीवन वृत्त
- प्रसाद साहित्य का संक्षिप्त परिचय
- प्रसाद की जीवन दृष्टि और भारतीय दर्शन

इकाई - २

प्रसाद का काव्य ('कामायनी' और 'आँसू' का विशेष अध्ययन)

इकाई - ३

प्रसाद के नाटक - स्कन्दगुप्त एव ध्रुवस्वामिनी

प्रसाद के नाटक ('स्कंदगुप्त' और 'ध्रुवस्वामिनी' का विशेष अध्ययन)

इकाई -

प्रसाद का कथा [illegible] और [illegible] और [illegible]

प्रसाद का कथा साहित्य एवं निबन्ध, इकाई "कंकाल", तितली, और काव्यकला तथा : नि:

[illegible] आधुनिक [illegible] और प्रसाद

छायावाद, आधुनिक काव्य और प्रसाद

सहायक ग्रन्थ

नगेन्द्र	: कामायनी के अध्ययन की समस्या
प्रेमशंकर	: प्रसाद का काव्य
सिद्धनाथ कुमार	: प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन
रामलाल सिंह	: कामायनी - अनुशीलन
नेदस आर्य	: कामायनी की पारिभाषिक शब्दावली
गोविन्द चातक	: प्रसाद के नाटकों का स्वरूप और संरचना
गिरीश रस्तोगी एवं	: प्रसाद का कथा साहित्य
जगदीशप्रसाद श्रीवास्तव	
गिरिजा राय	: कामायनी की आलोचना प्रक्रिया
अनूप कुमार	: प्रसाद की रचनाओं में संस्करणगत परिवर्तनों का अध्ययन
सूर्य प्रसाद दीक्षित	: प्रसाद का गद्य
कृपाशंकर पाण्डेय	: छायावाद की खड़ीबोली और प्रसाद

तृतीय सेमेस्टर

10 वाँ प्रश्न पत्र code: hin 654

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र : कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

प्रेमचंद : code: hin 554

इकाई-०१

- प्रेमचंद की जीवनी और रचनाएं
- प्रेमचंद एवं विचारधारा, जीवन दर्शन

इकाई-०२ प्रेमचंद के उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या : रंगभूमि

इकाई-०३ प्रेमचंद के उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या : कर्मभूमि

इकाई-०४ प्रेमचंद की कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या

(क) पंच परमेश्वर, पूस की रात, स्वत्वरक्षा, ब्रह्म का स्वांग और मनोवृत्ति

(ख) ठाकुर का कुआं, सद्गति, दूध का दाम और कफन

इकाई-०५ प्रेमचंद के निबन्धों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या

पुराना जमाना नया जमाना, साहित्य का उद्देश्य, सांप्रदायिकता और संस्कृति, महाजनी सभ्यता

सहायक पुस्तकें

जैनेन्द्र कुमार	: प्रेमचंद : एक कृति व्यक्तित्व
नन्द दुलारे वाजपेयी	: प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचना
अमृत राय	: कलम का सिपाही
"	: प्रेमचंद की प्रासंगिकता
शिवरानी देवी	: प्रेमचंद : घर में
रामविलास शर्मा	: प्रेमचंद और उनका युग
कल्याणमल लोढ़ा (सं०)	: प्रेमचंद परिचर्चा
राजेश्वर गुरु (सं०)	: गोदान
इन्द्रनाथ मदान (सं०)	: गोदान
विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (सं०)	: प्रेमचंद
शैलेश जैदी	: प्रेमचंद की उपन्यासयात्रा: नव मूल्यांकन
"	: गोदान : एक नव्य दृष्टि
कमलकिशोर गोयनका(सं०)	: प्रेमचंद साहित्यकोष
"	: प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान
"	: प्रेमचंद की कहानियों का कालक्रमानुसार अध्ययन
सदानंद शाही (सं०)	: दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद
नन्दकिशोर नवल	: प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र

रामबक्ष : प्रेमचंद और भारतीय किसान
कमल कोठारी, विजयदान देथा : प्रेमचंद के पात्र
मदन गोपाल : कलम का मजदूर
शम्भुनाथ : प्रेमचंद : एक पुनर्मूल्यांकन
आलोक राय, मुश्ताक अली (सं०) : समक्ष प्रेमचंद
धर्मवीर : प्रेमचंद की नीली आंखें

एम०ए० तृतीय सेमेस्टर

१० वां प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (code- 655)

इकाई - १

- निराला: युग सन्दर्भ और जीवन परिवेश
- नवजागरण, छायावाद और 'निराला'
- निराला का रचना संसार : परिचय और मूल्यांकन
- निराला की काव्य संवेदना, शिल्प और भाषागत वैशिष्ट्य
- निर्धारित पाठ : निराला साहित्य संचयन (सं.- विवेक निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

इकाई - २

- निराला की सांस्कृतिक दृष्टि
- राजनैतिक चेतना का निर्माण और विकास
- मनुष्य की मुक्ति से कविता की मुक्ति तक - मुक्तक छंद और निराला
- निर्धारित पाठ : निराला साहित्य संचयन (सं.- विवेक निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

इकाई - ३

- निराला के भक्ति गीत : शरणागत या आधुनिक मनुष्य का आत्म चीत्कार
- निराला में अध्यात्म चेतना और वेदान्त
- निराला के गीतों/कविताओं में व्यक्त समसामयिक चेतना
- स्वाधीनता से मोहभंग और निराला का परवर्ती लेखन
- निर्धारित पाठ : निराला साहित्य संचयन (सं.- विवेक निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

इकाई - ४

- निराला का गद्य (कथा) साहित्य : कथा में नये प्रयोग
- निराला के उपन्यास : रूमानियत से यथार्थ तक
- निराला की कहानियां : स्त्री एवं दलित जीवन की दु:ख-कथा
- निर्धारित उपन्यास/कहानियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन (अलका और कुल्लीभाट; देवी; चतुरी चमार [illegible] राजा साहब को ठेंगा दिखाया)

इकाई - ५

- स्वच्छंदतावादी आलोचना दृष्टि और छायावादी कवियों की आलोचना
- कविता में आधुनिक (नवीन) चेतना के मूल्यांकन के लिए नवीन आलोचना दृष्टि की आवश्यकता / महत्व
- निराला का आलोचनात्मक लेखन और उनकी आलोचना दृष्टि

१. व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित पाठ-) a(कवि और कविता) b ( ) साहित्य की समतल भूमिc) साहित्य और जनता (dबाहरी (स्वाधीनता और स्त्रियाँ)e) साहित्य की आकांक्षा और परिमल

सहायक पुस्तकें

नन्द दुलारे वाजपेयी	: कवि निराला
रामविलास शर्मा	: निराला की साहित्य साधना(भाग-१,२,३)
बच्चन सिंह	: क्रांतिकारी कवि निराला
दूधनाथ सिंह	: निराला : आत्महंता आस्था
विवेक निराला	: निराला साहित्य में प्रतिरोध के स्वर
शशिकला राय	: समय के साक्षी : निराला
रामरतन भटनागर	: निराला नव मूल्यांकन
कुसुम वार्ष्णेय	: निराला का कथा साहित्य
रेखा खरे	: निराला की कविताएं और काव्य भाषा
धनंजय वर्मा	: निराला काव्य का पुनर्मूल्यांकन
राजेंद्र कुमार (सं०)	: स्वाधीनता की अवधारणा और निराला

तृतीय सेमेस्टर

११वां प्रश्न-पत्र code : 656

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र : कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

(झ) मुक्तिबोध code : 656

इकाई १

- मुक्तिबोध - जीवनवृत्त और रचनात्मक संघर्ष
- नयी कविता आन्दोलन और मुक्तिबोध
- मुक्तिबोध : कला और विचारधारा का द्वन्द्व

इकाई २

- यथार्थ और फैण्टसी : मुक्तिबोध के काव्य की रचना प्रक्रिया
- मुक्तिबोध की काव्यानुभूति की बनावट

इकाई ३

- मुक्तिबोध की लम्बी कविताएं : जटिल यथार्थ की समग्र अभिव्यक्ति

निर्धारित पाठ :

(क) कविताएं : पूंजीवादी समाज के प्रति, लाल सलाम, भूरी-भूरी खाक धूल, जड़ीभूत ढांचों से लड़ेंगे, अंत:करण का आयतन, चकमक चिनगारियां, चांद का मुंह टेढ़ा है, ब्रहमराक्षस, अंधेरे में, लकड़ी का रावण, भूल गलती, एक आत्म वक्तव्य, चम्बल की घाटी में।

इकाई ४

निर्धारित पाठ :

(ख) कहानियां : ब्रह्मराक्षस का शिष्य, क्लाउड इथरली, विपात्र (लम्बी कहानी)।

इकाई ५

निर्धारित पाठ :

(ग) आलोचनात्मक लेख/निबंध : साहित्यिक की डायरी, नयी कविता का आत्म संघर्ष, साम और साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य का सौन्दर्य पक्ष, वस्तु और रूप (१ से ४ तक)

सहायक पुस्तकें

अशोक चक्रधर	:	मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया
डा० रामविलास शर्मा	:	नयी कविता और अस्तित्ववाद
नामवर सिंह	:	कविता के नये प्रतिमान
चंचल चौहान	:	मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब
नंदकिशोर नवल	:	मुक्तिबोध : कवि छवि
कृष्ण मोहन	:	मुक्तिबोध : स्वप्न और संघर्ष
राखी राय हाल्दार	:	आधुनिकता की भाषा और मुक्तिबोध

तृतीय सेमेस्टर

11 वनवाँ प्रश्न-पत्र code : 657

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र : कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

(झ) अज्ञेय code : 657

(ज) अज्ञेय

इकाई १

अज्ञेय : जीवन वृत्त

अज्ञेय की रचना यात्रा : कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, यात्रावृत्त, संस्मरण, ललित निबंध, आलोचना एवं संपादन

अज्ञेय साहित्य के वैचारिक व दार्शनिक स्रोत : बौद्ध दर्शन, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद, मनोविश्लेषणवाद, टी०एस० इलियट के साहित्य सिद्धान्त, नवरहस्यवाद एवं अन्य प्रभाव

इकाई २

अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : व्यक्तित्व व सृजनात्मकता, रचना प्रक्रिया, भाषाचिन्तन व संप्रेषण की समस्या, भाषा और अनुभूति का अद्वैत, मौन विभावन।

अज्ञेय की समग्र समीक्षा : रचना एवं जीवन दृष्टि, मनुष्य प्रकृति और यंत्र, व्यक्ति, परंपरा, राजसत्ता और समाज, व्यक्ति-स्वातंत्र्य के अर्थ, प्रेम और मृत्यु, प्रेम और स्वाधीनता।

ललित निबंध : शब्द, मौन, अस्तित्व, सावन किस रुत आये या।

इकाई ३

अज्ञेय और 'नई कविता'

(14)

अज्ञेय की आलोचना दृष्टि
आलोचनात्मक लेख : 'तारसप्तक' की भूमिका, सर्जना के क्षण।

इकाई ४

उपन्यास का नया विधान
कथा शिल्प के नए प्रयोग और अज्ञेय
कथा साहित्य : व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ , अपने-अपने अजनबी(उपन्यास), कोठरी की बात(कहानी)

इकाई ५

व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं :
शिशिर के प्रति (मेघदूत), हरी घास पर क्षण भर, देखता है दीठ(हरी घास पर क्षण भर), कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, बावरा अहेरी (शरणार्थी), यह मुकुट तुम्हारा, असाध्य वीणा, द्वितीया।

सहायक पुस्तकें :

- शम्भुनाथ : मिथक और आधुनिक कविता
- राम दरश मिश्रा : आधुनिक हिन्दी कविता: सर्जनात्मक सन्दर्भ
- शम्भुनाथ : कवि की नई दुनिया
- प्रणय कृष्ण : अज्ञेय का काव्य प्रेम: प्रेम और मृत्यु
- संजय कुमार : अज्ञेय : प्रकृति काव्य और काव्य प्रकृति
- राम स्वरुप चतुर्वेदी : अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या
- ओम थानवी (सं) : अपने अपने अज्ञेय ; भाग 1 एवं 2|
- विनोद कुमार मंगलम : अज्ञेय और पाश्चात्य साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन|

एम्.ए.तृतीय सेमेस्टर

11वाँप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

हिन्दी पत्रकारि code: 658

इकाई 01 -
पत्रकारिता की अवधारणा और उसके विविध रूप हिन्दी पत्रकारिता का ;उद्भव और विकास हिन्दी पत्रकारिता और स्वतंत्रता अन्दोलन;

इकाई02-
समाचार निर्माण समाचार के विभिन्न :स्रोत;प्रूफ संशोधन ;कैप्शन;आमुख और समाचार प्रस्तुति ;शीर्षकीकरण ;संकलन तथा लेखन-समाचार , ले आउट एवं पृष्ठ सज्जा|समाचार पत्रों में विभिन्न स्तंभों की योजना ;

इकाई 03-
सम्पादकीय विभाग और उनके कर्तव्य| उनकी श्रेणियां एवं कार्य पद्धति ;संवाददाता की अर्हता ;

इकाई 04-
पत्रकारिता से सम्बंधित लेखन प्रविधियाँ - सम्पादकीय|विज्ञापन लेखन आदि की प्रविधि ;स्तम्भ लेखन ;साक्षात्कार ;फीचर ;

इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता|और इन्टरनेट की पत्रकारिता वी.टी .रेडियो -

इकाई ०५-

भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारसूचनाध ;धिकार एवं मानवाधिकारप्रजातान्त्रिक ;सम्बन्धी प्रमुख कानून तथा आचार संहि |व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

<u>सहायक पुस्तकें</u>

- अर्जुन तिवारी हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास :
- असगर वजाहतटेलीविजन लेखन :प्रभात रंजन ,
- ओमकार चौधरी खोजी पत्रकारिता :
- कृष्ण बिहारी मिश्र हिन्दी पत्रकारिता :
- कमल दीक्षित समाचार संपादन : महेश दर्पण ;
- के जर्नलिस्म : वेनराइट .पी.
- डी दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी : ओझा.डी.
- नन्द किशोर त्रिखा समाचार संकलन और लेखन :
- नन्द किशोर त्रिखा भेटवार्ता :और प्रेस कांफ्रेंस
- मुश्ताक अली व्यावहारिक पत्रकारिता :

एम्.ए.तृतीय सेमेस्टर

11वाँप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

प्रयोजनमूलक हिन्दी (code : 659)

इकाई01-

प्रयोजनमूलक हिन्दीअभिप्राय और परिव्याप्ति :

प्रयोजनमूलक हिन्दी का अर्थप्रयोजनमूलक हिन्दी के नामकरण की ;हित्यिक हिन्दी में अंतरबोलचाल की हिन्दी और सा ;प्रयोजनमूलक हिन्दे |प्रयोजनमूलक हिन्दी और राजभाषा से उसके सम्बन्ध ;प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप ;समस्या

इकाई ०२-

प्रयोजनमूलक हिन्दी का हारिक स्वरूप :

- टिप्पण स्वरूप एवं : प्रकार |
- संक्षेपण अर्थ एवं :प्रक्रिया |
- प्रतिवेदन अर्थ एवं : विशेषताएँ|
- प्रारूपण|महत्व और विशेषताएँ :
- कार्यालयी पत्र के प्रकार ,(शासकीय पत्र) सरकारी -अर्द्धसरकारी पत्र प्रेस ,अधिसूचना ,पृष्ठांकन ,कार्यालयी ज्ञापन ,कार्यालयी आदेश, विज्ञप्ति एवं परिपत्र|

इकाई03-

कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति और उसका प्रयोग

- कार्यालयी हिन्दी| अर्थ एवं प्रकृति :
- कार्यालयी हिन्दी |बोलचाल की हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर ,
- कार्यालयी हिन्दी की विशेषताएँ|
- कार्यालयी हिन्दी की निर्माण प्रक्रिया|
- कार्यालयी हिन्दी की उपयोगिता एवं उसका महत्त्व|

इकाई 04-

- पारिभाषिक शब्दावली सैद्धांतिक एवं :व्यावहारिक परिचय |
- पारिभाषिक शब्दावली|अभिप्राय और वर्गीकरण :
- पारिभाषिक-शब्दावली|निर्माण के सिद्धांत :
- पारिभाषिक शब्दावली अनुवाद : की समस्याएँ|
- प्रशासन और विधि संबंधी शब्दावली|
- वाणिज्य संबंधी शब्दावली |(बीमा ,बैंक)

इकाई 05-

- अनुवाद|सिद्धांत एवं व्यवहार :

- अनुवाद |अवधारणा और प्रक्रिया :
- हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका|
- कार्यालयी हिन्दी एवं अनुवाद|
- विज्ञापन में अनुवाद |
- वाणिज्य में अनुवाद |

सहायक पुस्तकें

- राम प्रकाश तथा दिनेश गुप्त : प्रयोजन मूलक हिन्दी संरचना और सिद्धांत :
- दंगल झाल्टे सिद्धांत और प्रयोग : प्रयोजनमूलक हिन्दी :
- मुश्ताक अली प्रयोजनमूलक हिन्दी :
- कैलाश चंद्र भाटिया कामकाजी हिन्दी :
- कैलाश चंद्र भाटिया प्रशासन में राजभाषा हिन्दी :
- हरिमोहन | प्रारूपण ,टिप्पणी : प्रशासनिक हिन्दी :
- कृष्ण कुमार गोस्वामी | व्यावहारिक हिन्दी और रचना :
- सूरजभान सिंह | सन्दर्भ और संरचना : हिन्दी भाषा :
- कुसुम अग्रवाल |भाषा शिल्प :
- वो| हिन्दी प्रभाग और प्रयोग : जगन्नाथन.आर.
- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव |भाषाई अस्मिता और हिन्दी :
- प्रकाशन विभाग | राजभाषा हिन्दी : दिल्ली ;

तृतीय सेमेस्टर

12*वां प्रश्न-पत्र* code : 602

हिन्दी भाषा विज्ञान: इतिहास व सिद्धांत code : 602

इकाई-1

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- प्राचीन, मध्यकालीन व आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं की संक्षिप्त विशेषताएँ
- हिन्दी और उसकी उप भाषाओं का पारस्परिक सम्बन्ध
- काव्यभाषा के में अवधी,ब्रज एवं खड़ी बोली का विकास

इकाई-2

- मानक हिन्दी का व्याकरण
- देवनागरी लिपि का ऐतिहासिक विकासक्रम
- राज भाषा एवं संपर्क भाषा
- राष्ट्रभाषा की स्थिति

इकाई-3

- अपभ्रंश: अवहट्ट की विशेषताएँ
- पुरानी हिन्दी की अवधारणा एवं उसकी विशेषताएँ
- मानक हिन्दी का संक्षिप्त व्याकरण
- हिन्दी शब्द भंडार के स्रोत

इकाई-3

- भाषा विज्ञान का अर्थ एवं अध्ययन क्षेत्र
- भाषा विज्ञान की शाखाएँ

- ध्वनिविज्ञान का वर्गीकरण एवं शाखाएँ
- ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

इकाई-4

- रूप विज्ञान एवं शब्द विज्ञान, रूपिम की विशेषताएँ, शब्द संरचना, शब्दों का वर्गीकरण एवं विशे
- वाक्य की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- अर्थ का तात्पर्य,अर्थ की व्युत्पति के कारण
- अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

सहायक पुस्तकें :

रामचन्द्र शुक्ल	: बुद्ध चरित की भूमिका (चिन्तामणि भाग-३)
सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या	: भारतीय आर्य भाषा और हिंदी
दीप्ति शर्मा	: व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन
धीरेन्द्र वर्मा	: हिंदी भाषा का इतिहास
उदयनारायण तिवारी	: हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
हरदेव बाहरी	: हिंदी भाषा : उद्भव, विकास और रूप
माताबदल जायसवाल	: मानक हिंदी का ऐतिहासिक व्याकरण
यमुना कावरू	: हिंदी का समसामयिक व्याकरण
रामकिशोर शर्मा	: हिंदी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
सील पाण्डेय	: हिंदी क्रियाओं का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन
आर्येन्द्र शर्मा	: बेसिक ग्रामर आफ माडर्न हिंदी
अनन्त चौधरी	: हिंदी व्याकरण का इतिहास
मलिक मुहम्मद	: राजभाषा हिंदी : विकास के विविध आयाम
विमलेश कान्त वर्मा	: हिंदी और उसकी उपभाषाएं
मीरा दीक्षित	: हिन्दी भाषा
मीरा दीक्षित	: भाषा विज्ञान के सिद्धांत

एम्.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

13वाँ प्रश्न पत्र code: 603

छायावादोत्तर काव्य (प्रगतिवाद से समकालीन तक)

इकाई - १

- छायावादोत्तर कविता : पृष्ठभूमि और परिदृश्य
- अज्ञेय और तार सप्तक
- अज्ञेय की काव्य यात्रा
- असाध्यावीणा : व्याख्या और मूल्यांकन

इकाई - २

- नई कविता का आत्म संघर्ष और मुक्तिबोध
- ब्रम्ह् राक्षस की व्याख्या और आलोचना
-

इकाई - ३

- हिन्दी कविता का साठोत्तरी परिदृश्य और धूमिल
- पट कथा : व्याख्या और आलोचना

इकाई - ४

- कुँवर नारायण का काव्य : व्याख्या और आलोचना
- निर्दिष्ट कविताएँ: माध्यम, बीज,मिट्टी और खुली जलवायु; चर्कव्युह;बसंत की एक लहर; नचिकेता; एक अजीब सी मुस्किल; अमीर खुसरो;आज कल कबीरदास

इकाई - ५

- विजयदेव नारायण शाही : निर्दिष्ट कविताएँ की व्याख्या और आलोचना --- घाटी का आख़िरी आदमी; अलविदा; अँधेरे गोलार्थ की रात; अस्पताल में; सत की परीक्षा; अब; प्रार्थना; हवा महल.
- केदार नाथ सिंह की निर्दिष्ट कविताओं की व्याख्या और आलोचना : नीला पत्थर; आत्मचित्र; ज़मीन;आवाज; यहाँ से देखो; अकाल में सारस; बाघ; कुदाल;आजादी का स्वाद; घोंसलों का इतिहास; ताल्सताय और साइकिल

सहायक पुस्तकें

मुक्तिबोध : नई कविता का आत्म संघर्ष तथा अन्य निबन्ध

अज्ञेय : तार सप्तक की भूमिका

चल चौहान : मुक्तिबोध के बिम्ब और प्रतीक

अशोक चक्रधर : मुक्तिबोध की सभी साई

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

अशोक चक्रधर : मुक्तिबोध की कविताई
शम्भुनाथ : कवि की नई दुनिया
पंकज चतुर्वेदो : जीने क उदात्त आशय; सन्दर्भ: कुँवर नारायण की कविता
पुरूषोतम अग्रवाल : कुँवर नारायण
नन्द किशोर नवल: आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास

एम्.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

14 प्रश्न पत्र code: 660

प्राचीन हिन्दी काव्य code: 660

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)

इकाई-१

- आदिकालीन परिवेश : राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं साहित्यिक
- आदिकालीन साहित्य के विविध रूप एवं प्रवृत्तियां : जैन साहित्य, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, शृंगारिक काव्य, स्फुट काव्य

इकाई-२

- जैन साहित्य में स्वयंभू का स्थान , स्वयंभू का जीवन परिचय एवं रचनाएं ('उग चरिउ'- पचासवीं संधि : अध्ययन और आलोचना)

इकाई-३

- सिद्ध साहित्य में सरहपा का स्थान, सरहपा का जीवन परिचय एवं रचनाएं ('सरह'- दोहा कोश :आरम्भिक दोहे : अध्ययन और आलोचना)
- रासो काव्य में बीसलदेव रासो का स्थान एवं महत्व, नरपति नाल्ह का जीवन परिचय और व्यक्तित्व ('बीसलदे रास'- बारह मासा : अध्ययन और आलोचना)

इकाई-४

- ऐहिक शृंगारिक काव्य और संदेश रासक, अब्दुल रहमान का जीवन परिचय ('संदेश रासक'- द्वितीय प्रक्रम : अध्ययन और आलोचना)

इकाई-५

- नाथ संप्रदाय में गोरखनाथ का स्थान, जीवन परिचय ('गोरखबानी'- सबदी- आरम्भ से १० दोहे पद-४८ ५८ तक)
- विद्यापति - जीवन परिचय और रचनाएं ('कीर्तिलता'- द्वितीय प्रक्रम : अध्ययन और आलोचना)

सहायक पुस्तकें

हजारी प्रसाद द्विवेदी	: आदिकाल
	: नाथ सम्प्रदाय
हरिवंश कोछड़	: अपभ्रंश साहित्य
रामकिशोर	: अपभ्रंश मुक्तक काव्य और उसका हिंदी पर प्रभाव
पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल (सं)	: गोरखबानी
हजारीप्रसाद द्विवेदी-एवं विश्वनाथ त्रिपाठी (सं)	: संदेश रासक
शिवप्रसाद सिंह	: कीर्तिलता और अवहट्ठ भाषा
द्विजराम यादव	: बज्रयानी सिद्ध सरहपा

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

एम्.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

14 प्रश्न पत्र code: 661

मध्यकालीन भक्ति काव्य code: 661

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)

इकाई-१

- भक्ति आंदोलन की सामाजिक, धार्मिक, दार्शनिक तथा आध्यात्मिक पृष्ठभूमि
- निर्गुण एवं सगुण भक्ति धाराओं का विकास

इकाई-२

- भारतीय लोक जीवन और संत काव्य परम्परा
- प्रमुख संत कवियों की रचनाओं का सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मूल्यांकन
- निर्धारित रचनाएं -

क. कबीर (कबीर ग्रन्थावली- सं० पारस नाथ तिवारी)
पद संख्या- ८,१०,२९,४१,५०,५२,५४,५८,६२,६५,७८,८३,९१,१०४,१०६,१०७,१०९,१५४,१६६,२००= २० पद।
रमैनी- २,३,७=३ रमैनियां।
साखी- प्रेम विरह कौ अंग= ५५ साखी।
ख. रैदास(परशुराम चतुर्वेदी संपादित संत काव्य संग्रह- में संग्रहीत समस्त २० पद तथा ३ साखियां)
ग. दादू दयाल (परशुराम चतुर्वेदी संपादित संत काव्य संग्रह- में संग्रहीत समस्त १० पद तथा ५० साखियां)

इकाई-३

- भारतीय प्रेमाख्यानक काव्य परंपरा
- संत और सूफी मत का वैचारिक अन्तःसंबंध
- प्रमुख हिंदी सूफी प्रेमाख्यानों के आलोक में सूफी काव्यधारा का सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मूल्यांकन

निर्धारित रचनाएं :

क. मुल्ला दाऊद - चंदायन (मैना संदेश निवेदन खण्ड)
ख. कुतुबन - मृगावती (रुकमिनी संदेश निवेदन खंड, बारहमासा खंड)
ग. जायसी - पद्मावत (नख सिख खंड)

इकाई-४

- वैष्णव आचार्य परंपरा और वल्लभाचार्य
- शुद्धाद्वैत दर्शन एवं पुष्टिमार्गीय भक्ति
- कृष्ण काव्य परंपरा और अष्टछाप
- कृष्णकाव्य धारा का सांस्कृतिक तथा साहित्यिक मूल्यांकन

निर्धारित रचनाएं :

क. सूरदास - (पांचवां संवाद) पद संख्या ११७-१४५ सूरसागर सार - (सं) डॉ० धीरेन्द्र वर्मा
ख. नन्ददास - 'रासपंचाध्यायी' (पांचवां सर्ग)
ग. रसखान - आलोचनात्मक मूल्यांकन

इकाई-५

- रामभक्ति धारा : स्रोत एवं परम्परा
- रामभक्ति धारा के दार्शनिक एवं भक्तिपरक सिद्धान्त
- रामभक्ति धारा का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मूल्यांकन

निर्धारित रचनाएं :

क. विनयपत्रिका : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
(पद संख्या - ८५,८७,८८,९०,९५,९६,१०३,१०५,१११,११५,१२४,१६०,१६२,१६३,१६८,१६९,१७४,१९८,२३४,२४५= कुल २० पद)

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

रामचरितमानस : आलोचनात्मक मूल्यांकन
- भक्ति काव्य का समग्र मूल्यांकन
- परवर्ती साहित्य को भक्ति काव्य का अवदान

सहायक पुस्तकें

रामचंद्र शुक्ल : त्रिवेणी
नामवर सिंह : दूसरी परम्परा की खोज
प्रेमशंकर : भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र
रामस्वरूप चतुर्वेदी : भक्तिकाव्य यात्रा
आशा गुप्ता : भक्ति सिद्धान्त
ब्रजेश्वर वर्मा : सूरदास
रामचंद्र तिवारी : कबीर मीमांसा
हजारी प्रसाद द्विवेदी : कबीर
रामचंद्र शुक्ल : तुलसीदास
विजयदेव नारायण साही : जायसी
शिव कुमार मिश्र : भक्तिकाव्य और लोकजीवन
रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
अतहर अब्बास रिजवी : सूफीज्म इन इण्डिया
रामविलास शर्मा : भारतीय सौन्दर्य बोध और तुलसीदास
अजय तिवारी (सं) : तुलसी का महत्व

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

14 प्रश्न पत्र code: 662

छायावादी कव्य code: 662

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)

इकाई - १
- छायावाद : अर्थ, प्रयोग और स्वरूप
- छायावाद : पुनर्जागरण की चेतना का सूक्ष्म स्वरूप
- छायावाद की सौन्दर्य चेतना

इकाई - २
- छायावाद : शक्ति काव्य
- छायावाद के आलोचक - नंददुलारे बाजपेयी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी, रमेश चंद्र शाह, देवराज
- छायावाद के प्रमुख कवियों का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई - ३
- छायावाद के महाकाव्य - 'कामायनी' और 'लोकायतन'।
- प्रसाद - प्रसाद की रचनाएं, प्रसाद का जीवन दर्शन, समरसता और आनंदवाद
  निर्धारित रचनाएं - आंसू, लहर (बीती विभावरी जाग री, ले चल मुझे भुलावा देकर, पेशोला की प्रतिध्वनि, प्रलय की छाया)
  कामायनी : व्याख्या एवंआलोचनात्मक अध्ययन

इकाई - ४
- निराला का जीवन वृत्त

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

- निराला की क्रान्तिकारी चेतना
- मुक्त छंद और निराला

निर्धारित रचनाएं - जुही की कली, जागो फिर एक बार (१,२). तुलसीदास,सरोज स्मृति(राग विराग- संकलन- रागविलास शर्मा)

इकाई - ५

- पंत का जीवन दर्शन
- पंत की काव्य यात्रा - प्रकृति चित्रण, प्रगतिवाद, मानवतावाद।

निर्धारित रचनाएं - प्रथम रश्मि, बादल, मौन निमंत्रण, निष्ठुर परिवर्तन, मानव(आधुनिक कवि : पंत - हिंदी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग)।

- महादेवी की कविता में रहस्यात्मक प्रवृत्ति , गीतितत्व

निर्धारित रचनाएं - जो तुम आ जाते एक बार, विरह का जलजात जीवन,मैं नीर भरी दुःख की बदली, मधुर मधुर -मेरे दीपक जल. (महादेवी संचयन : सं० निर्मला जैन)

- छायावाद युग का गद्य : आलोचनात्मक परिचय : कंकाल, काव्य कला और अन्य निबंध (प्रसाद)

कुल्लीभाट, पंत और पल्लव, प्रबंध पद्म, प्रबंध प्रतिमा(निराला)
छायावाद : पुनर्मूल्यांकन(पंत)
शृंखला की कड़ियां (महादेवी)

सहायक पुस्तकें

नामवर सिंह	:	छायावाद
रमेशचंद्र शाह	:	छायावाद : पुनर्मूल्यांकन
देवराज	:	छायावाद : उत्थान, पतन,पुनर्मूल्यांकन
रघुवंश	:	साहित्य का नया परिप्रेक्ष्य
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	हिंदी कविता यात्रा : रत्नाकर से रघुवीर सहाय तक
नंददुलारे वाजपेयी	:	जयशंकर प्रसाद
गजानन माधव मुक्तिबोध	:	कामायनी: एक पुनर्विचार
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	कामायनी का पुनर्मूल्यांकन
गिरिजा राय	:	कामायनी की आलोचना प्रक्रिया
रागविलास शर्मा	:	निराला की साहित्य साधना (तीन खंड)
दूधनाथ सिंह	:	निराला : आत्महंता आस्था
नगेंद्र	:	सुमित्रानन्दन पंत
शान्तिप्रिय द्विवेदी	:	ज्योति विहग
परमानन्द श्रीवास्तव(सं०)	:	महादेवी
दूधनाथ सिंह	:	महादेवी
गोपाल प्रधान	:	छायावाद युगीन साहित्यिक विवाद

एम्.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

14 प्रश्न पत्र code: 663

समकालीन हिन्दी साहित्य code: 663

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)

इकाई १

- ~~समकालीन - अर्थ, प्रसार, परिवेश और संदर्भ~~

~~क. 'समकालीन' का अर्थ, प्रसार, परिवेश और संदर्भ~~
~~ख. आधुनिकता और समकालीनता~~

पूर्णांक : 100 रोशनत: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

- पाश्चात्य समाज शास्त्रीय : अडोल्फ़ तेन; लियो लावेंथल; लूसीय गोल्डमान; रेमण्ड; विलियम्स
- भारतीय समाजशास्त्रीय : डी.डी. कोसंबी; पी. सी.जोशी; अहयामा चरण दूबे; बी. आर. अम्बेडकर

<u>इकाई-३</u>

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ और पद्धतियां :

- साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ : साहित्य में समाज की खोज; समाज में साहित्य और साहित्यकार की स्थिति; साहित्य और पाठक समुदाय; लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र; साहित्य जन-संचार माध्यम
- साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख पद्धतियाँ : विधेयवाद, अनुभववाद, संरचनावाद, मार्क्सवाद और अस्मितावाद

<u>इकाई-४</u>

विधाओं का समाजशास्त्र : साहित्यिक विधाओं की उत्पत्ति और विकास का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

- *उपन्यास का समाजशास्त्र* - भारत में उपन्यास का उदय और विकास; भारतीय उपन्यास के
- उपन्यास और लोकतंत्र
- हिन्दी के प्रमुख उपन्यासों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण : गोरा, गोदान, रह गई दिशाएँ इसी पार (संजीव)
- *कविता का* समाजशास्त्रीय अध्ययन की चुनौतियाँ; हिन्दी कविता का समाजशास्त्रीय विश्लेषण : प्राचीन काव्य ; भक्ति काव्य; रीति कविता; आधुनिक कविता, समकालीन कविता

<u>इकाई-५</u>

- समकालीन अस्मिता मूलक साहित्य का समाजशास्त्र
- दलित साहित्य का समाज शास्त्र - दलित आत्म कथा, दलित कविता एवं दलित उपन्यास
- स्त्री लेखन का समाजशास्त्र : स्त्री आत्म कथा, स्त्री कविता एवं स्त्री केन्द्रित उपन्यास

<u>सहायक पुस्तकें</u>

डॉ० नगेन्द्र : *साहित्य का समाजशास्त्र*
मैनेजर पाण्डेय : *साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका*
निर्मला जैन(सं०) : साहित्य का समाजशास्त्रीय चिन्तन

पत्रिकाएँ :

आलोचना नवांक 20 , 1972
आलोचना , नवांक 25, 1973

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

22

एम्.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

15 प्रश्न पत्र code: 668

विचारधारा और साहित्य code: 668

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)

इकाई- ०१

➢ विचारधारा क्या है? समाज, साहित्य और विचार का अन्तः संबंध

इकाई- ०२

➢ विचारधारा और कला, विचारधारा और साहित्य के द्वन्द्वात्मक संबंध, साहित्य की इतिहास दृष्टि और विचारधारा-यथार्थवाद, आदर्शवाद, प्रकृतवाद और विचारधारा।

इकाई- ०३

➢ आधुनिक विचारधाराएं और हिंदी साहित्य
(क) मानवतावाद (ख) सुखवाद और उपयोगितावाद (ग) राष्ट्रवाद (घ) मार्क्सवाद (ङ) समाजवाद (च) समाजवाद (छ) अस्तित्ववाद (ज) नारीवाद (झ) अंबेडकरवाद

इकाई- ०४

➢ धार्मिक-दार्शनिक विचारधाराएं और उनका मध्यकालीन और आधुनिक हिंदी साहित्य पर प्रभाव-
(क) वेदान्त तथा अन्य दार्शनिक विचार (ख) इस्लाम (ग) सूफीवाद (घ) बौद्ध एवं जैन दर्शन (ङ) रहस्यवाद

इकाई- ०५

➢ साहित्य चिन्तन में विचारधारा विरोधी प्रवृत्तियां
(क) कलावाद (ख) रूपवाद (ग) अनुभववाद (घ) नयी समीक्षा (ङ) संरचनावाद और उत्तर-संरचनावाद (च) उत्तर-आधुनिकतावाद

सहायक पुस्तकें

गोरख पाण्डे (सं०)	: कला और साहित्य का चिन्तन
रामविलास शर्मा	: आस्था और सौन्दर्य (नवीन संस्करण)
रामविलास शर्मा	: मार्क्स और पिछड़े हुए समाज
मैनेजर पाण्डेय	: शब्द और कर्म
मैनेजर पाण्डेय	: आलोचना की सामाजिकता
Paarekh, Bhikhu	: Mark's Theory of ideology
Althusser, Louis	: lenin and philosophy and other Essays
Fischer, Earnest	: Art Against ideology
Khrapchenko, M	: The Writer's creative individuality and development of Literature
Macherey, Pierre	: A theory of Literary production
Williams, Raymond	: Marxism and Litarature
Do	: On Ideology, Centre for Contemporary Cultural Studies
Eagleton, Terry	: Criticism and Ideology, London
Do	: The Ideology of the Aesthetic
Do	: Ideology : An Introdution
Lichtheim George	: The Cocept of Ideology and other essays

पत्रिकाएं -
१. आलोचना नवांक १८ अप्रैल-जूनए १९७०

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर

पांचवां प्रश्नपत्र code- hin60

भारतीय साहित्य code- hin6

इकाई - 1

> भारतीय साहित्य का स्वरूप , भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं, भारतीय साहित्य : आज के भारत बिम्ब

इकाई - २

> भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय
(बंगला, असमी, उड़िया, पंजाबी, मराठी, गुजराती, तमिल, तेलुगु, मलयालम)

> हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

इकाई - ३

> चयनित कविताओं की व्याख्या और आलोचना

सबसे खतरनाक : अवतार सिंह 'पाश' (पंजाबी)

मैं अब विदा लेता हूँ : अवतार सिंह 'पाश' (पंजाबी)

बनलता सेन : जीवनानंद दास (बंगला)

धनबाद का खनिक; हलाहट : के. सच्चिदानंदन

इकाई - ४

> चयनित उपन्यास और कहानियों की व्याख्या और आलोचना

संस्कार : यू.आर.अन्नतमूर्ति (कन्नड़)

आवारागर्द : कुर्रतुल ऐन हैदर (उर्दू)

साहब,बीवी और गुलाम: दया पवार (मराठी)

इकाई - ५

> चयनित नाटक और निबन्ध की व्याख्या और आलोचना
(क) नाटक : घासीराम कोतवाल : विजय तेंदुलकर (मराठी)
(ख) निबन्ध :—

क्या साहित्य विफल है?: आले अहमद सुरूर (उर्दू)

आत्मकथा,जीवनी और संस्मरण- अज्ञेय (हिन्दी)

सहायक पुस्तकें

डॉ० नगेन्द्र (सं०)	: भारतीय साहित्य
इन्द्रनाथ चौधुरी	: भारतीय साहित्य की प्रवृत्तियां
लक्ष्मीकान्त पाण्डेय	: भारतीय साहित्य
सुकुमार सेन	: बंगला साहित्य का इतिहास
कल्याणी दास	: बंगला साहित्य का [illegible]
अरुण कुमार (सं०)	: चयनम्

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

ग. स्वातंत्रता का मूल्यबोध
घ. स्वतंत्र्योत्तर भारत में हिंदी प्रदेश की राजनैतिक, सामाजिक,आर्थिक और सांस्कृतिक सक्रियताएं और हि
साहित्य पर पड़ने वाले प्रभाव

- समकालीन कविता की मुख्य प्रवृतियां
- समकालीन कविता और रघुवीर सहाय
- समकालीन कविता और धूमिल

निर्धारित रचनाएं / रचनाकार : व्याख्या और आलोचना
काव्य : रघुवीर सहाय - अकाल, अधिनायक (रघुवीर सहाय : प्रतिनिधि कविताएं,राजकमल पेपर बैक्स)
सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' - भाषा की रात।
केदारनाथ सिंह - कुदाल(केदारनाथ सिंह : प्रतिनिधि कविताएं राजकमल पेपर बैक्स)
अशोक वाजपेयी - आत्मा शरीर का अनंत स्वप्न।
राजेश जोशी - दृष्य और बिम्ब।
अरुण कमल - उत्सव।
मंगलेश डबराल - संगतकार।
वीरेन डंगवाल - हमारा समाज।

इकाई २

- समकालीन हिंदी कहानी की मुख्य प्रवृत्तियां और कहानी आंदोलन
- समकालीन हिंदी उपन्यास :कैसी आगी लगाई- अक्षयवट उदाहत, गलोबल गांव के देवता - रणेन्द्र

कहानी - तिरियां चरित्तर- शिवमूर्ति, जंगल का दाह - स्वयंप्रकाश, चिट्ठी - अखिलेश

इकाई ३

नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं

- समकालीन हिंदी रंगमंच और आधुनिक नाटक
- समकालीन साहित्य में संस्मरण, यात्रा-वृत्तांत, निबंध, जीवनी व आत्मकथा एवं अन्य गद्य विधाओं की स्थिति
  विधाओं में संरचनागत परिवर्तन और विधाओं का अंतर्गुंफन
- विशेष अध्ययन

नाटक : कोर्ट मार्शल(स्वदेश दीपक)
आत्मकथा : मुर्दहिया (तुलसीराम)

इकाई ४

- समकालीन विमर्श और हिंदी आलोचना :
  संरचनावाद एवं उत्तर-संरचनावाद
  आधुनिकता और उत्तर-आधुनिकतावाद

इकाई ५

- औपनिवेशिकता और उत्तर-औपनिवेशिकता
  स्त्री और दलित विमर्श

सहायक पुस्तकें

अज्ञेय	: आत्मनेपद, सर्जना और संदर्भ
रघुवीर सहाय	: लिखने का कारण
नागर सिंह	: कविता के नये प्रतिमान
मुक्तिबोध	: नयी कविता का आत्म संघर्ष
मलयज	: कविता से साक्षात्कार
मार्कण्डेय	: कहानी की बात
देवीशंकर अवस्थी	: नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति
राजेन्द्र यादव	: कहानी : शिल्प और संवेदना
रामदरश मिश्र	: हिंदी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा
निर्मला जैन	: आधुनिक हिंदी काव्य : रूप और संरचना
नेमिचंद जैन	: रंगदर्शन
सुरेश शर्मा	: रघुवीर सहाय का कविकर्म
हुकुमचन्द राज्यपाल	: समकालीन बोध और धूमिल का काव्य

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

19

परमानन्द श्रीवास्तव : समकालीन कविता का यथार्थ
जे० दी० कृपलानी : गांधी : जीवन और चिन्तन
फ्रायड : मनोविश्लेषण
राहुल सांस्कृत्यायन : कार्ल मार्क्स
विजय मोहन सिंह : आज की कहानी
राजेन्द्र कुमार : साहित्य में सृजन के आयाम और विज्ञानवादी दृष्टि

एम्.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

14 प्रश्न पत्र code: 664

स्त्री- विमर्श और हिन्दी साहित्य code: 664

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)

इकाई - १

- नारीवाद और स्त्री-विमर्श : सिद्धान्त एवं परिभाषा
- भारतीय-सामाजिक संरचना में स्त्री के लिए जगह
- नवजागरण के दौर में स्त्री-मुक्ति का प्रश्न
- समकालीन संदर्भ में स्त्री-मुक्ति आंदोलन की स्थिति : दशा और चुनौतियां

इकाई - २

- स्त्री विमर्श का वैचारिक लेखन - स्त्री की यातना की अभिव्यक्ति
- महादेवी वर्मा की स्त्री दृष्टि : शृंखला की कड़ियां की विवेचना
- सीमंतनी उपदेश
- साहित्य में स्त्री स्वर : मीरा से महादेवी तक

इकाई - ३

- हिंदी उपन्यास और स्त्री जीवन
- स्त्री जीवन और 'इदन्नमम' (मैत्रेयी पुष्पा)
- 'इदन्नमम' की समीक्षा
- आत्मकथा और स्त्री जीवन
  हिंदी आत्मकथाओं में अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान : एक मूल्यांकन

इकाई - ४

- हिंदी कहानियों में स्त्री और स्त्री जीवन की उपस्थिति
- निर्धारित कहानियों का पाठ/मूल्यांकन ('कील और कसक', राधा नाची', फांस', नयी हूकूमत', बाँथेन)
- स्त्रीकथा की भाषा : भाषा का नया आयाम

इकाई - ५

- हिंदी कविता में स्त्री के लिए जगह और उसकी विविध छवियां
- २०वीं शताब्दी में स्त्री कविता का बदलता स्वर
- समकालीन हिंदी कविता की स्त्री धारा : एक परिचय
- स्त्री कविता : कविता की नई दुनिया, भाषा का पुनराविष्कार
- निर्धारित कविताओं का पाठ/विश्लेषण और मूल्यांकन

सहायक पुस्तकें

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

जे०एस० मिल	:	स्त्री और पराधीनता
सीमॉन द बोउआर	:	स्त्री उपेक्षिता (अनु०)
राजकिशोर (सं०)	:	स्त्री के लिए जगह
राजकिशोर (सं०)	:	आधुनिकता और स्त्री
राधा कुमार	:	हिस्ट्री ऑफ डुइंग
कुमकुम सांगरी	:	पालिटिक्स ऑफ पासिबल
प्रभा खेतान	:	बाजार के बीच : बाजार के खिलाफ
लालसा यादव (सं०)	:	स्त्री विमर्श की कहानियां

एम्.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

14 प्रश्न पत्र code: 665

दलित - विमर्श और हिन्दी साहित्य code: 665

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)

इकाई-1

वैचारिकी एवं सौंदर्यशास्त्र

- दलित विमर्श एवं साहित्य के वैचारिक व दार्शनिक स्रोत : आजीवक परंपरा एवं संत आन्दोलन, स्वामी अछूतानन्द हरिहर का आदिधर्मा आन्दोलन , अम्बेडकर और कांशीराम के आन्दोलन
- उत्तर आंबेडकर दलित चिंतन : प्रमुख सन्दर्भ बिंदु
- दलित साहित्य की अवधारणा, उदभव,एवं विकास की परंपरा, समाजशास्त्र, सौन्दर्य दृष्टि, अध्ययन और आलोचना
- हिन्दी साहित्य में दलित: निराला ;प्रेमचंद, नागार्जुन और राहुल संक्रियायन का दलित विषयक लेखन
- दलित प्रश्न और हिन्दुवाद, गांधीवाद और मार्क्सवाद
- दलित साहित्य एवं चिंतन में स्त्री और दलित स्त्री
- स्वतंत्र भाषा एवं सौन्दर्य शास्त्र का प्रश्न

इकाई -2

कविताएँ

- हिन्दी दलित कविता की पृष्ठभूमि आशमिता का संघर्ष, विषयवास्तु, इतिहास बोध, सौंदर्य दृष्टि और क भाषा एवं शिल्प
- व्याख्या और आलोचना हेतु निर्धारित कविताएँ :

ओम प्रकाश वाल्मिकी : पेड़,ठाकुर का कुआँ, ज्वालामुखी, शम्बूक का कटा सिर, तानी मुट्ठियाँ,सदियों व संताप,मुट्ठी भार चावल,आदिम रूप, जाति, एक और युद्,लावा, अब और नहीं, शब्द झूठ नहीं बोलते.
मलखान सिंह : मुझे गुस्सा आना है, हमारे गाँव में
जय प्रकाश लीलवन : कामरेड से बातचीत, जनपथ
स्योरज सिंह बेचैन : बहनों से बोलो, चमार की चाय. नीच नहीं अलग जाती हैं हम.
कँवल भारती : जब तक व्यवस्था जीवित है
कावेरी : प्रेरणा, खाईयाँ
स्वामी अछोतानंद हरिहर : मनु के प्रति
हीरा डॉम : अछूत की शिकायत

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

इकाई-3 उपन्यास

- दलित उपन्यास : सन्दर्भ और विषय वास्तु की नवीनता, संवेदना और शिल्प का वैशिष्ट्य, सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकार, औपनिवेशिक भाषा एवं शिल्प
- व्याख्या और आलोचना हेतु निर्धारित उपन्यास

  विजय सौहार्द : दलित

इकाई-4 कहानियाँ

- दलित कहानी : उद्भव और विकास , संवेदना एवं कथावस्तु की नवीनता, कथा भाषा एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य
- व्याख्या और आलोचना हेतु निर्दिष्ट कहानियां

  ओम प्रकाश वाल्मिकी : घुसपैठिये
  शयौराज सिंह बेचैन : रावण
  मोहन दास नैमिशारण : अपना गाँव
  सूरज पाल चौहान : बदबू
  बी.एल.नैय्यर : चतुरी चमार की चाट
  प्रेम कपाडिया : हरिजन
  विपिन कुमार : कंघा
  अजय नावरिया : पटकथा
  प्रेमचंद : कफ़न

- नाटक : सुनो कामरेड (केवल आलोचना)

इकाई-5 आत्मकथाएँ (केवल आलोचना)

- हिन्दी दलित आत्मवृत्त / आत्मकथाएँ : दलित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक जीवन के दस्तावेज़।
- आलोचनात्मक अध्ययन हेतु निर्दिष्ट आत्मकथाएँ:

  ओमप्रकाश वाल्मिकी : जूठन
  कौशल्या नंदिनी बैसंती : दोहरा अभिशाप
  शयौराज सिंह बेचैन : मेरा बचपन मेरे कंधों पर
  धर्मबीर : मेरी पत्नी और भेडिया
  तुलसीराम : मणि कर्णिका

- हिन्दी की दलित पत्रकारिता

सहायक पुस्तकें

कँवल भारती : दलित विमर्श की भूमिका
कँवल भारती : दलित कविता का संघर्ष
कँवल भारती : स्वामी अछूतानन्द 'हरिहर' और हिन्दी नवजागरण
रत्नकुमार सांभरिया : मुंशी प्रेमचंद और दलित समाज
रजतरानी मीनू : हिन्दी दलित कथा साहित्य : अवधारणाएँ और विधाएं
श्योराज सिंह 'बेचैन' : हिन्दी की दलित पत्रकारिता पर पत्रकार अम्बेडकर का प्रभाव
शयौराज सिंह बेचैन : उपन्यास साहित्य में दलित समस्या और समाधान

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

शयौराज़ सिंह बेचैन : उत्तर सदी के हिन्दी उपन्यासों में दलित विमर्श
धर्मवीर : दलित चिन्तन का विकास : अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर
धर्मवीर : महान आजीवक : कबीर, रैदास और गोसाल
धर्मवीर : हिन्दी की आत्मा
ओम प्रकाश वाल्मिकी : दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र

पत्रिकाएँ

दलित साहित्य, बहुरि नहिं आवना, (सत्ता विमर्श और दलित, विशेषांक, अंक 58
कथादेश (दलित विशेषांक)

एम्.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
15 प्रश्न पत्र code: 666
हिन्दी आलोचना code: 666
(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)

इकाई-१

आरम्भिक आलोचनात्मक प्रयास : एक परिचय

- भारतेंदु युग - भारतेंदु, प्रेमघन और बालकृष्ण भट्ट की आलोचनात्मक दृष्टि
- द्विवेदी युग - महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र-बन्धु, कृष्णबिहारी मिश्र, पद्मसिंह शर्मा, लाला भगवानदीन, रामचंद्र शुक्ल की आलोचनात्मक दृष्टि

इकाई-२

शुक्लानुवर्ती और शुक्लोत्तर आलोचक : एक सामान्य परिचय

- शुक्लानुवर्ती आलोचक - डॉ. नागेन्द्र, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- शुक्लोत्तर आलोचक - नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारीप्रसाद द्विवेदी,

इकाई-३

मार्क्सवादी आलोचना : एक सामान्य परिचय

- प्रगतिशील लेखक संघ का जन्म और उसका घोषणा पत्र
- शिवदान सिंह, राहुल सांकृत्यायन, अमृत राय
- रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, शिवकुमार मिश्र, मैनेजर पाण्डेय

इकाई-४

नयी कविता का दौर और हिंदी आलोचना: एक सामान्य परिचय

- अज्ञेय, रामस्वरूप चतुर्वेदी, धर्मवीर भारती, विजयदेवनारायण साही, लक्ष्मीकान्त वर्मा, मलयज, रमेशचन्द्र शाह

इकाई-५

समकालीन हिंदी आलोचना और नये विमर्श

- हिंदी नवजागरण पर पुनर्विचार

पूर्णांक : 100 सेशनल: 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05

- स्वातंत्र्योतर हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों पर बहस
- पाठ की रणनितियां और पुनर्पाठ
- उत्तरवादी सिद्धान्त और आलोचना
- साहित्य के आलोचनात्मक कैनन
- स्त्री विमर्श और आलोचना
- दलित विमर्श और आलोचना
- आलोचना का अन्तः आनुशासनिक क्षेत्र

सहायक पुस्तकें

भगवत्स्वरूप मिश्र	: हिंदी आलोचना : उद्भव एवं विकास
रामदरश मिश्र	: हिंदी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ
विश्वनाथ त्रिपाठी	: हिंदी आलोचना
नंदकिशोर नवल	: हिंदी आलोचना का विकास
रामविलास शर्मा	: आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना
निर्मला जैन	: हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी
हुकुमचंद राजपाल	: समकालीन हिंदी समीक्षा
रमेश कुमार	: नवजागरण और हिंदी आलोचना
पुष्पिता अवस्थी	: आधुनिक हिंदी काव्यआलोचना के १०० वर्ष
मैनेजर पाण्डेय	: आलोचना की सामाजिकता
सं० कमलाप्रसाद, सुधीर रंजन सिंह, राजेंद्र शर्मा	: नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परंपरा
शिवकुमार मिश्र	: हिंदी आलोचना की परंपरा और रामचंद्र शुक्ल
वीरेंद्र सिंह	: समकालीन आलोचना
निर्मला जैन	: आधुनिक साहित्य
नामवर सिंह	: इतिहास और आलोचना
देवीशकर अवस्थी	: आलोचना का द्वन्द
बच्चन सिंह	: आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द
शिवकुमार मिश्र	: यर्थाथवाद
रामविलास शर्मा	: परम्परा का मूल्यांकन
कृष्णदत्त पालीवाल	: हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार
राजेन्द्र कुमार , सं०	: आलोचना का विवेक

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

15 प्रश्न पत्र code: 667

साहित्य का समाजशास्त्र code: 667

(वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)

इकाई-१

साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका

- साहित्य और समाज का अन्तर्सम्बंध
- साहित्य के समाजशास्त्रीय अध्ययन की जरूरत. एक स्वतंत्र साहित्य विधा के विकास
- साहित्य के सामाज शास्त्र का इतिहास : समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की परम्पराएं - पाश्चात्य एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य

इकाई-२

साहित्य के प्रमुख समाजशास्त्री और उनकी धारणाएं

पूर्णांक : 100 सैद्धान्तिक 40 सेमेस्टर : 60 क्रेडिट: 05